

पाठ → 5

लक्ष्य

लक्ष्य हमीशा बड़े रखी,

लक्ष्य पर हमीशा चली-चली।

संभव है दूसरी बाधाएँ भी आएँ,

पर बाधाओं से लड़ती चली।

लक्ष्य हमीशा बड़े रखी ॥

कौड़ी गरीब है तो कौड़ी अमीर,

पर सबकी अपनी-अपनी तकदिर।

हर मंजिल चुमकी मिल जायगी,

ग़ार कतबि पथ पर बड़े चली।

लक्ष्य हमीशा बड़े रखी ॥

दौलत के लालच में न फँसना तुम,

ग़लत राह पे न मुड़ना तुम।

छह लौरी एक दिन पर्वत शिखर की भी,

ग़ार पर्वत के सिने पर चढ़े चली।

लक्ष्य हमीशा बड़े रखी ॥

लेखा हमीरा बड़े रस्वी,

लेखा पर हमीरा फी - चली

~~लेखा~~
बोली

प्रश्नोत्तर

प्र०-31 बाधाएँ आने पर हमें क्या करना चाहिए

उ०-31 बाधाएँ आने पर हमें उनका डट कर सामना करना चाहिए।

प्र०-32 संजिले कैसे मिलती है ?

उ०-32 अपने कर्तव्य पर नियमपूर्वक चलने से हमें संजिले मिलती है।

प्र०-33 हम पवित्र शिखर को कैसे छू सकते
सकते हैं ?

उ०-33 दालत के लालच में न पड़कर जब हम
दालत राह में नहीं सुड़ें तभी पवित्र
शिखर को छू सकते हैं।

प्र०-34 हमें अपने लक्ष्य कैसे रखनी चाहिए ?

उ०-34 हमें अपने लक्ष्य हमेशा बड़े रखनी
चाहिये।

1. असाध्य
2. राष्ट्रपति
3. बुद्धिमान
4. व्यापारी
5. पुरस्कार
6. अस्पताल
7. सिद्धी
8. व्यापारी
9. राजवाडूदी
10. चंद्रबुक्ता
11. पर्वत
12. स्वकष्टता
13. निरमंता
14. मनुष्य
15. प्रतिर्यागिनी
16. महात्मा

17. सुत्रिकल

18. सुलक्ष्मा

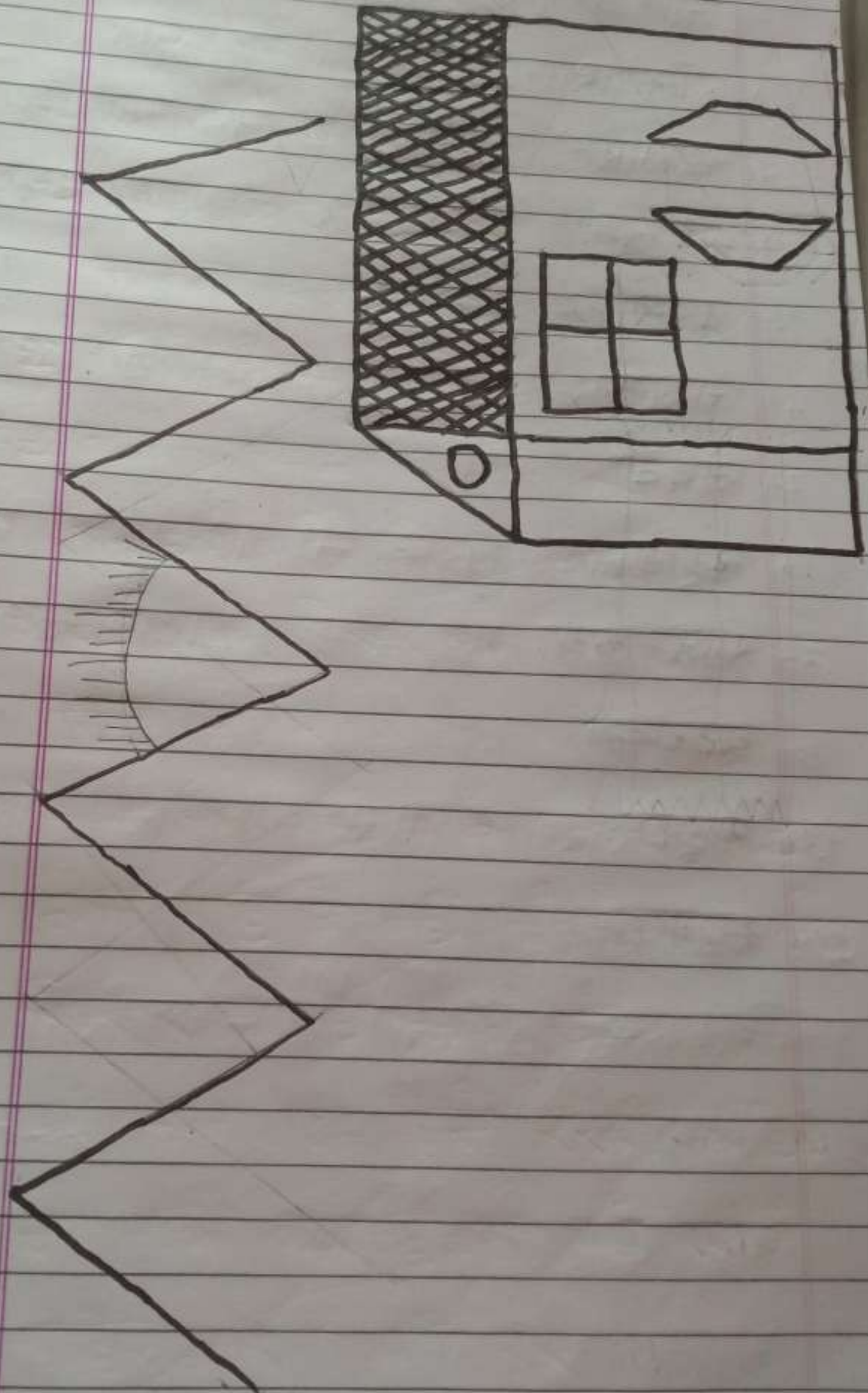
19. सुंदरभा

20. कनीटका

बुद्धिमान

चन्द्रगुप्त

पाठ-३८ (वातिमहि) Activity

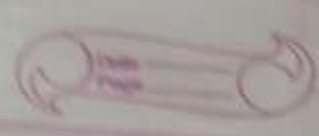


- | | |
|-------------|----------------|
| 1. राज्य | 11. परस्पर |
| 2. स्वयत् | 12. क्रिद्वी |
| 3. प्रसापना | 13. दृष्टि |
| 4. सौभाग्य | 14. साधु |
| 5. अनुस्वार | 15. प्रकृति |
| 6. शरत् | 16. ध्वनि |
| 7. चिकित्सा | 17. पत्नियाँ |
| 8. कर्मचारी | 18. बुद्धिमानी |
| 9. मुश्किल | 19. नमस्कार |
| 10. सौंदर्य | 20. निरस्कार |
- 10/11/19
- बुद्धिमानी मुश्किल दृष्टि

कठिन शब्द

- 1→ पर स्पर ✓
- 2→ मा डरिया ✓
- 3→ दृष्टि ✓
- 4→ निरस्कार ✓
- 5→ पत्नियाँ ✓
- 6→ बुद्धिमान ✓
- 7→ प्रकृति ✓
- 8→ इल्लियाँ ✓
- 9→ सिद्धी ✓
- 10→ क्षीता ✓

~~15/7/19~~



बरबाद का वृक्ष

परनीलर

प्र०-१ गाढ़रिख क्या करते थे ?

उ०-१ गाढ़रिख पेड़ को बकरियाँ चराने थे ।

प्र०-२ बरबाद के नीचे कौन बैठा था ?

उ०-२ बरबाद के नीचे गाढ़रिखा बैठा था ।

प्र०-३ बरबाद का वृक्ष कैसा था ?

उ०-३ बरबाद का वृक्ष बहुत विशाल था उसका तना बहुत लंबा और

पेड़ की जड़ें सज्जुत कैसे रहती हैं ?

उ०-४ केचुए पेड़ की सड़ी पत्तियों को खाकर जमीन के नीचे से निकलते हैं जिससे सिंदी को हवा मिलती है और जड़ें सज्जुत होती हैं ।

15/7/19

प्रश्न 35 चिड़ियाँ पेड़ की सहायता से कैसे करती हैं
उत्तर 35 इलियाँ पेड़ की पत्तियों को खाकर
मुकसान पहुँचाती हैं और चिड़ियाँ उन
इलियों को खाकर पेड़ की सहायता
करती हैं।

प्रश्न 36 बरसाद में भारी आवाज में लड़कें
से क्या पूछा ?

उत्तर 36 बरसाद में लड़कें से यह पूछा कि
चूँट लगा गई क्या ? छूँटा सा फल
था।

प्रश्न 37 राड़रिश् के पास कौन से जानवर
थे ?

उत्तर 37 राड़रिश् के पास भैंस - बकरियाँ थी।

17/7/19

22/7/19

Date _____
Page _____

कक्षा कार्य

अर्न्तख

1 → अष्टविंशति

16 → नसीदा

2 → शांतिपूर्वक

17 → प्रयाग

3 → धार्मिक स्थल

18 → उद्देश्य

4 → विश्वविद्यालय

19 → संवत्सुद्धि

5 → पुष्पहार

20 → स्वर्णिता

6 → रंग-विरंगी

22/7/19

7 → अस्पताल

8 → ईश्वर

9 → व्यापारी

10 → निर्धन

11 → सुतंत्रादिवस

12 → राणतंत्रादिवस

13 → संस्कृत

14 → स्वर्ण

15 → भास्य